MOTION FOR ELECTION TO THE COIR BAORD—Adopted

MR. CHAIRMAN: Now, motion for election to the Coir Board.

SHRI JOHN F. FERNANDES: Sir, I have to make a submission in this regard. I was elected to this Board from this House. Sir, there are about 20 commodities Boards which are under the Ministry of Commerce. Now, this is the only Board which has been transferred to the Ministry of Industry and most of the funds which are allocated for promotion of this industry are not being utilised because the Ministry of Industry does not know how to deal with the commodities Boards. There was a resolution from the Coir Board that this Board may be transferred back to the Ministry of Commerce. So, I want to know the response of the Government in this regard.

THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): Sir, I have noted the comments of the hon. Member. We will see as to what can be done in this regard. Sir, with Your permission I beg to move the following motion:

That in pursuance of clause (e) of sub-section (3) of section 4 of the Coir Industry Act, 1953 (45 of 1953), read with clause (e) of sub-rule (1) of rule 4 and subrule (1) of rule 5 of the Coir Industry Rules, 1954, this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one Member from among the Members of the House to be a member of the Coir Board.

The question was put and the motion was adopted.

SPECIAL MENTIONS

Delhi Chief Minister's Reported Allegation that the Presidents of Rashtriya Janata Dal and Samajwadi Party are sending Criminals to Delhi.

श्री रमा शंकर कौशिक (उत्तर प्रदेश): श्रीमन् मैं आप के माध्यम से इस सदन के संज्ञान में एक जिम्मेदारी के पद पर आसीन मुख्य मंत्री माननीय साहिब सिंह जी के एक गैर-जिम्मेदाराना बयान की ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं।

श्रीमन्, स्टेट्समेन में उन का एक बयान छपा है जोकि इस प्रकार है:

Sir, it says:

> "So far cited only for the bomb blasts, the Chief Minister, Mr. Sahib Singh, today suggested a 'foreign' hand was behind the spiralling crime rate in the capital, not from 'across the border' but criminals let loose by the Rashtriya Janata Dal president, Mr. Laloo Prasad Yadav and Samajwadi Party President, Mr. Mulayam Singh Yadav.

The motive, the Chief Minister told the Delhi Bharatiya Janata party's Executive Committee here, was to defame the party's Governments in the Centre and in Delhi. 'I have been told that they have sent about 200 criminals here,' he said, asking party leaders to remain alert.

Asked to clarify his remarks later, Mr. Singh told journalists that he had received the information from a source whose identity he could not divulge. On persistent queries, he clarified that the information did not come from the Delhi Police but a senior Government official. 'I asked the offical not to raise this angle till there was some concrete evidence, like the police arrests someone who confesses that he was sent by them to create havoc,' the Chief Minister added."

श्रीमन्, मैंने कल इस सदन के संज्ञान में उत्तर प्रदेश के संबंध में इस बात को लाया था कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय हो रहा है और अब इस बयान के बाद तो ऐसा लगता है कि हमारे नेताओं को, जो हमारी पार्टी के प्रेसीडेंट भी हैं और इस पार्टी से संसदीय दल के नेता भी हैं माननीय मुलायम सिंह जी यादव और राष्ट्रीय जनता दल के माननीय लालू प्रसाद जी यादव, दोनों को किसी भी ढंग से फंसाने की साजिश जानबूझकर की जा रही है।

श्रीमन्, इस बयान के आखिर में जो बात है, उस पर जरा आप गौर कीजिए, जो इस बात का संकेत दे रहे हैं कि किसी एक ऐसे आदमी को बंद कर दिया जाए, जो

उस बंदी के वक्त हवालात में अपना यह बयान दे, कन्फेस करके कि उनको लालू प्रसाद यादव ने और मुलायम सिंह यादव ने भेजा है। इस प्रकार की बातें अगर नेताओं के प्रति होंगी या इस ढंग से जानबूझकर साजिश रची जाएगी या उनकी छवि बिगाड़ने के लिए उनके चरित्र पर धब्बा लगाने की कोशिश होगी या साजिश में फंसाने की कोशिश होगी तो किस प्रकार हमारा लोकतंत्र चलेगा? श्रीमन्, मैं आपके माध्यम से इस सरकार से जानना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि आखिर यह क्या है?

किस ढंग से आप शासन चलाना चाहते हैं, जो एक ऐसे जिम्मेदार आदमी ने एक ऐसा गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया?

श्रीमन्, मुझे इतना ही कहना है।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः एसोसिएशन। अच्छा, ईश दत्त यादव जी।...**(व्यवधान)**...देखिए, हो गया। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश यादव (बिहार): सर, यह बहुत सीरियस मामला है। मैंने भी बोलने के लिए नाम दिया है। बहुत गंभीर मामला है।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः आप बैठिए। ठीक है, एक एक मिनट में आप बोलेंगे।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): मान्यवर सभापति जी, श्री रमा शंकर कौशिक जी ने जिन बातों की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया है और जो इस भ्रामक, असत्य और निराधार वक्तव्य की ओर ध्यान दिलाया है, मैं उनकी बातों का समर्थन कर रहा हूं। मान्यवर, माननीय मुलायम सिंह जी यादव और माननीय लालू प्रसाद जी यादव, दोनों इस देश के बड़े नेता हैं और दोनों ने मिलकर अभी कुछ दिन पहले एक मोर्चे का गठन किया है। इस समय जो वर्तमान सरकार है, हमको लगता है कि यह भयभीत है। इनकी गद्दी के लिए खतरा हो गया है। इसलिए एक साजिश की जा रही है।...**(व्यवधान)**...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, this is too much...*(Interruptions)*... He cannot make any allegation against the Government. Mr. Prasad is not a Member of this House...*(Interruptions)*...He is making allegations here...*(Interruptions)*...It is a political issue...*(Interruptions)*...He cannot raise this in this House...*(Interruptions)*...

SHRI O.P. KOHLI (Delhi): Sir, how can this issue be raised in the Rajya Sabha?..*(Interruptions)*...

SHRI RAGHAVJI (Madhya Pradesh): Sir, you should not allow this to be raised in this House...*(Interruptions)*...

श्री रामदेव भंडारी (बिहार): महोदय, ईश दत्त जी को अपनी बात कहने का मौका दिया जाए।...**(व्यवधान)...महोदय, इनको बैठाया जाए।...(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः प्लीज ।...**(व्यवधान)**...आप मेरी बात सुन लें।...**(व्यवधान)**...

श्री नागमणि (बिहार): सर, साहिब सिंह वर्मा को इस हाऊस में बुलवाकर माफी मंगवाइए। यह जो हमारे दोनों बड़े नेता है गरीबों के, उनको एक साजिश के तहत फंसाने का काम हो रहा है।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः देखिए, प्लीज...**(व्यवधान)**...

श्री नागमणिः पहले साहिब सिंह वर्मा, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, उन्हें हाऊस में बुलवाइए और माफी मंगवाइए।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः आप बैठिए। आप बैठिए।...**(व्यवधान)**...आप बैठिए तो। ...**(व्यवधान)**...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, he should be taught basic lessons ...*(Interruptions)*...

श्री नागमणिः जो यह गरीबों के नेता हैं, इनको फंसाने के लिए इस तरह का काम किया जा रहा है। पूरे देश के गरीब भी आज आतंकित है इस बात पर।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः आप बैठिए तो, प्लीज...**(व्यवधान)...मेरी बात सुनिए, मैं बताता हूं।** देखिए, Law and order of Delhi is under the Central Government. This reference by the Chief Minister of Delhi and for that the Chief Minister cannot be called here. He is not a Member of this House. So, this demand is infructuous. If Members wanted to raise this issue, because the question relating to law and order in Delhi and at present, Mr. Sahib singh Verma is the Chief Minister, they have a right to say so but they should not

go beyond what it has said. They must limit themselves to what it has said.

SHRI S. R. BOMMAI (Karnataka): Sir, one minute...*(Interruptions)*...*The point here is*...*(Interruptions)*...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): चेयरमेन साहब, ये किस बिना पर बोल रहे हैं? यह पेपर में खबर छपी है, वह ठीक भी है या गलत है, किसी ने कहा भी है या नहीं कहा, किसी आफिशियल जगह पर नहीं कहा, एक अखबार में एक जगह छपा है, इसे देखा जाना चाहिए कि यह सच भी है या नहीं, उसके बाद इनको बोलना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री रंजन प्रसाद यादव (बिहार): हमारा निवेदन होगा कि प्रधान मंत्री जी आकर इस पर अपना स्टेटमेंट दें। ...(व्यवधान)...

श्री नरेश यादव: सभापति जी, आपके आदेश को मानते हुए हम यह कहना चाहते हैं कि रधान मंत्री को यहां आकर स्टेटमेंट देना चाहिए। ऐसा बयान क्यों दिया मुख्य मंत्री ने? ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री को बयान देना चाहिए कि क्या यह उचित है? ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री यहां आकर सदन में बयान दें क्यों ऐसा बयान दिया गया? ...(व्यवधान)...

SHRI S. R. BOMMAI: Sir, it is not a question of law and order. It is a question of the right of a Member of Parliament to conduct himself freely. When an allegation is made that Mr. Laloo Prasad Yadav, who was a Chief Minister and Mr. Mulayam Singh Yadav, who had been a Chief Minister and a Defence Minister, have brought criminals here into Delhi, it affects the privilege of a Member of Lok Sabha. *(Interruption)*. They are leaders of a Parliamentary Party also. *(Interruption)*. It affects and it amounts to suppressing the free functioning of political parties. Therefore, the matter can be discussed here.

श्री नरेश यादव: साहब सिंह वर्मा के खिलाफ एक निन्दा प्रस्ताव लाया जाना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री रामदेव भंडारी: ये लीडर हैं हमारी पार्टी के...(व्यवधान)...

श्री ओमप्रकाश कोहली: चेयरमैन साहब, मैं एक प्वाइंट आफ आर्डर रेज़ करना चाहता हूं। मेरा निवेदन यह है कि न तो साहिब सिंह वर्मा इस सदन के सदस्य हैं और न ही लालू प्रसाद यादव। अब यह खबर सच है या असत्य है, साहिब सिंह वर्मा यहां आकर सफाई नहीं दे सकते। यह सदन के बाहर का मामला है। मेरा निवेदन यह है कि जो इस सदन का सदस्य नहीं है, उसके बारे में इस प्रकार का प्रश्न उठाना जिसका वह जवाब नहीं दे सकते, सफाई नहीं दे सकते, उचित नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: प्रधान मंत्री को यहां आकर बयान देना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): सवाल यह है कि किस तरह से देश के इतने महत्वपूर्ण मुद्दे को मरोड़ा जा रहा है, किस तरह से अपने पोलिटिकल एजेंडा को लागू करने के लिए दूसरों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

†[شری محمد سلیم: سوال یہ ہے کہ کس طرح سے دیش کے اتنے مہتو پورن مدّے کو مروڑا جا رہا ہے۔ کس طرح سے اپنے پولیٹیکل ایجنڈے کو لاگو کرنے کے لئے دوسروں کو بے وقوف بنایا جا رہا ہے۔ ..."مداخلت"...]

श्री नीलोत्पल बसु (पश्चिमी बंगाल): इस बयान पर कम से कम सरकार को अपनी प्रतिक्रिया जारी करनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: इस देश में कुछ लोग ऐसे हैं, चाहे वे मुम्बई में हों या दिल्ली में हों ...(व्यवधान)...बम-ब्लास्ट हो जाएं, कुछ दुर्घटना हो जाए ...(व्यवधान)...

†[شری محمد سلیم: اس دیش میں کچھ لوگ ایسے ہیں - چاہے وہ ممبئی میں ہوں یا دلّی میں ہوں ..."مداخلت"... بم بلاسٹ ہو جائیں - کچھ درگھٹنا ہو جائے ..."مداخلت"...]

---

†[ ]Transilteration in Arabic Script

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): अपने पोलिटिकल एजेंडा को ...(व्यवधान)... इस तरह की बातें यहां पर उठा रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: आर० एस० एस० के लोग दिल्ली में और सब जगह दंगे करवा रहे हैं, गुंडागर्दी करवा रहे हैं। ...(व्यवधान)... दिल्ली सरकार को बर्खास्त करो। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruption)*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: R.S.S. is the greatest Organisation. *(Interruption.* R.S.S. is the greatest Organisation. you go on talking about R.S.S. You have no business to talk about R.S.S. *(Interruption).*

MR. CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruption)*

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: What about your party?

श्री सभापति: प्लीज, प्लीज़! ...(व्यवधान)...

श्री नरेश यादव: दिल्ली सरकार को बर्खास्त करो। ...(व्यवधान)...

श्री रामदेव भंडारी: दिल्ली में जो अपहरण की घटनाएं हो रही हैं, उन पर शर्म करो। ...(व्यवधान)... दिल्ली में भी आपकी सरकार का शासन है और केन्द्र में भी आपका शासन है, आपको शर्म करनी चाहिए जो इस तरह की घटनाएं दिल्ली में हो रही है। ...(व्यवधान)...

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: आर॰एस॰एस॰ का नाम कम से कम यहां नहीं आना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: *और यह देशहित की बात करते है? ...(व्यवधान)...* (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: This is not relevant.

श्री नागमणि: *और इस तरह से बात करते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मिस्टर नागमणि, मेरी बात सुनिए। मैंने मैम्बर को इजाज़त दी है। ...(व्यवधान)... आप मुझे बोलने देंगे या नहीं? ...(व्यवधान)...

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री नागमणि: हमारी मांग है कि प्रधान मंत्री को बुलवाइए और सरकार को डिसमिस करवाइए।

श्री सभापति: मेरी बात सुनिए। मैंने कहा था, मैंने उनको सवाल उठाने की इजाज़त दी है। उन्होंने प्वाइंट आफ आर्डर उठाया, मैंने उसका जवाब दे दिया कि मैम्बर अपनी बात कहेंगे जो-जो कहना है, उसके बाद आगे इसमें और कुछ कहने की बात नहीं है। मैंने उनको बोलने की इजाज़त दी है और जिसने नाम दिया है एसोसिएट करने के लिए, वे बोलेंगे। इसलिए बात को जल्दी, आराम से खत्म होने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: सभापति महोदय, बात सिर्फ इतनी नहीं है। यह मामला बहुत ही गंभीर है और पूरे देश में इसकी प्रतिक्रिया हो सकती है....(व्यवधान) इसलिए दिल्ली के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करिए, तब आगे बात करिए...व्यवधान)

श्री नेरश यादव: महोदय: महोदय, दूसरे हाऊस में प्रधानमंत्री जी बयान दे चुके हैं माननीय प्रधानमंत्री जी को यहां आकर बयान देना चाहिए...व्यवधान)

श्री नागमणि: प्रधानमंत्री को यहां आकर बयान देना चाहिए...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद आज़म खान: (उत्तर प्रदेश) सभापति जी, मेरा कहना यह है कि आपकी इजाजत मिलने के बाद ही समाजवादी पार्टी के माननीय सदस्य ने बोलना शुरू किया और अपनी बात शुरू ही की थी कि उस तरफ से रोका गया...(व्यवधान)

†[شری محمد اعظم خان: سبھاپتی مہودے، میرا کہنا یہ ہے کہ آپکی اجازت ملنے کے بعد ہی سماج وادی پارٹی کے مانیہ سدسیہ نے بولنا شروع کیا اور اپنی بات شروع ہی کی تھی کہ اس طرف سے روکا گیا... "مداخلت"...]†

श्री संघ प्रिय गौतम: आपके पड़ोसी ने...(व्यवधान)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, this is not correct. Mr. Kaushik said whatever he wanted to say.

†[ ]Transilteration in Arabic Script

None of us interrupted him. Only when the other gentlemen began to make false allegations, we got up; we objected. Otherwise, Mr. Kaushik was not at all disturbed.

श्री मोहम्मद आज़म खान: सभापति जी, मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि अगर यह तरीका होगा, एक सदस्य आपकी इजाज़त के बाद बोले और उन्होंने अपनी बात शुरू ही की थी कि ...(**व्यवधान**) इस तरह से अगर रोका जाएगा तो ...(**व्यवधान**)

†[شری محمد اعظم خان: سبھاپتی جی، میں صرف یہ کہنا چاہتا ہوں کہ اگر یہ طریقہ ہوگا، ایک ممبر آپکی اجازت کے بعد بولے اور انہوں نے اپنی بات شروع ہی کی تھی کہ ... "مداخلت" ... اس طرح سے اگر روکا گیا تو ... "مداخلت"]

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, have you permitted him? *(Interruptions)* You have permitted Shri Ish Dutt Yadav; not him. *(Interruptions)*

श्री मोहम्मद आज़म खान: क्या किसी सदस्य को आपसे यह पूछने का हक होगा कि आपने इजाज़त दी है या नहीं दी है?

†[شری محمد اعظم خان: کیا کسی سدسیہ کو آپ سے یہ پوچھنے کا حق ہوگا کہ آپ نے اجازت دی ہے یا نہیں دی ہے؟]

श्री सभापति: हां, आप ठीक कह रहे हैं। आप जो बात कह रहे हैं, प्राब्लम यह है कि मैंने इजाजत दी है। इन्होंने कुछ कहा और फिर अकेले यही नहीं उठे, नागमणि जी भी उठ गए, वह भी बोलना चाहते थे। सवाल यह है कि दोनो तरफ से यह हो रहा है तो क्या करें...(**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद आज़म खान: मान्यवर, इधर नागमणि जी हुए और उधर के बैठे हुए सदस्यों में आपने फर्क माना तभी आपने इस पर बोलने की इजाजत दी...(**व्यवधान**) आपको मालूम है कि यह मैटर कितना सीरियस है और इन 2 पार्टियों के सदस्यों के जज्बात मजरूह होना, गुस्सा आना स्वाभाविक है। इसी वजह से आपने इजाजत दी। इसीलिए सदस्यों को बोलने की इजाजत होनी चाहिए और माननीय सदस्य बोल रहे थे लेकिन उधर से जिस तरह रोका गया, जिम्मेदार सदस्यों ने रोका, इसलिए कि सही बात सदन में न आए, इसलिए कि दिल्ली में जिस तरह के जरायम हो रहे हैं, जिस तरह से क्राईम बढ़ा हुआ है और यहां पर बाढ़ आई हुई है क्राईम की ...(**व्यवधान**) ऐसी हालत में क्या यह कहना गलत है कि*

यहां कानून नाम की कोई चीज नहीं है! अगर ये सदस्य यह कहें कि ऐसी सरकार को भंग कर दिया जाए और यहां राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया जाए, अगर ऐसी मांग की जाए तो यह मांग कहां से गैर-कानूनी है, कहां से नाजाइज मांग है?

†[شری محمد اعظم خان: مانیور، ادھر ناگمنی جی ہوئے اور ادھر کے بیٹھے ہوئے ممبران میں آپنے فرق مانا تبھی آپنے اس پر بولنے کی اجازت دی ... "مداخلت" ... آپ کو معلوم ہے کہ یہ میٹر کتنا سیریس ہے اور ان دو پارٹیوں کے ممبران کے جذبات مجروح ہونا، انہیں غصہ آنا فطری ہے۔ اسی وجہ سے آپنے اجازت دی۔ اسی لئے ممبران کو بولنے کی اجازت ہونی چاہئے اور مانیہ سدسیہ بول رہے تھے، لیکن ادھر سے جس طرح روکا گیا، ذمہ دار سدسیوں نے روکا، اسلئے کہ صحیح بات سدن میں نہیں آئے کہ دلی میں جس طرح کے جرائم ہو رہے ہیں، جس طرح سے کرائم بڑھا ہوا ہے اور یہاں

†[ ]Transilteration in Arabic Script

*Expunged as ordered by the Chair.

... پر یاد آئی ہوئی ہے کہ کرائم کی ... ... (مداخلت) ... ایسی حالت میں کیا یہ کہنا غلط ہے کہ ...

یہاں قانون نام کی کوئی چیز نہیں ہے۔ اگر یہ ممبران یہ کہیں کہ ایسی سرکار کو بھنگ کر دیا جائے اور یہاں راشٹرپتی شاسن لاگو کر دیا جائے، اگر ایسی مانگ کی جائے تو یہ مانگ کہاں سے غیر قانونی ہے، کہاں سے ناجائز ہے]

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: आपने ईश दत्त जी का नाम लिया। हम लोगों को कोई ऐतराज़ नहीं था, हम लोग शांतिपूर्वक सुन रहे थे लेकिन जब ये खड़े हो गए...(व्यवधान) इस तरह के स्लोगनों से कोई काम नहीं चलता...(व्यवधान)

श्री सभापति: मेरी बात सुनिए। ऐसा करें कि न वह खड़े हो, न वह खड़े हों। इन 2 सदस्यों को बोलने का मौका दीजिए। ये भी बोल लें, वे भी बोल लें।

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: सभापति महोदय, उनके बोलने में हमें कोई ऐतराज़ नहीं है, आपने समय दिया है, वे जरूर बोलें जो भी उन्हें कहना है परंतु आर॰ एस॰ एस॰ के बारे में जो कुछ कहा गया है, यह देश की और अंतर्राष्ट्रीय सबसे अच्छी संस्था है, यह इनको मालूम होना चाहिए। We are proud to be members of the RSS. It is the greatest organisation of this country as well as of the world. They should not refer to the Rs. ...*(Interruptions)*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Can we talk about the RJD and the SP?

श्री नागमणि: * ... (व्यवधान)

श्री मोहम्मद आज़म खान: जो मुलायम सिंह यादव और लालू को यह कह सकते है, वे यकीनन है...(व्यवधान)

†[شری محمد اعظم خان: جو ملائم سنگھ یادو اور لالو پرساد یادو کو یہ کہہ سکتے ہیں، وہ یقیناً * ہیں ... (مداخلت)]

श्री सभापति: देखिए, ये गलत बात है...(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: निकाल दीजिए कार्यवाही से ...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद आज़म खान: सच्चाईया नहीं निकाली जा सकती। ऐसा कहने वाले लोग* है। (व्यवधान)...

†[شری محمد اعظم خان: سچائیاں نہیں نکالی جا سکتیں۔ ایسا کہنے والے لوگ ہیں ...]

श्री नागमणि: बिलकुल * है। ...(व्यवधान)...

सभापति: आप गलत कह रहे है। अगर आप दोबारा * कह रहे है तो गलत कह रहे है आप। ...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद आज़म खान: ऐसा कहने वाले * है।

†[شری محمد اعظم خان: ایسا کہنے والے ہیں]

श्री सभापति: वह शब्द अनपार्लियामेंटरी है। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: मुलायम सिंह यादव और लालू यादव जो हिंदुस्तान के गरीबों के नेता है, अगर उन पर आरोप लगाया गया है तो हम लोगों को ....(व्यवधान)....

महात्मा गांधी की हत्या कराई है। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य : क्या सुबूत है इसका?

श्री सभापति: देखिए...सुनिए ...(व्यवधान)...

*Expunged as ordered by the Chair.

†[ ]Transilteration in Arabic Script

एक माननीय सदस्य : ये बार-बार कह रहे हैं। ...(व्यवधान)...

सभापति : देखिए...मेरी बात सुनिए...(व्यवधान)...मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान) ... आप बैठिए.. आप बैठिए। ...(व्यवधान) ...

श्री नरेश यादव: दिल्ली में हत्याएं हो रही है। ...(व्यवधान)...यह * है या नहीं?... दिल्ली सरकार * है...अपराधी है। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: दिल्ली सरकार को बरखास्त कराओं। ...(व्यवधान) ...

श्री मोहम्मद आज़म खान: दिल्ली सरकार को बरखास्त करो।...(व्यवधान)...

†[شری محمد اعظم خان: دلی سرکار کو برخاست کرو۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔]

श्री नागमणि: *देश का शासन...(व्यवधान)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : श्रीमन् * इस तरह के अपशब्द निकाल देने चाहिए।

श्री सभापति: मेरी बात सुनिए । मै एक बात कह दूं। चेयरत की रूलिंग के बाद भी कुछ मेम्बरों ने वह शब्द इस्तेमाल किया है।

It is very derogatory to the Chair and to the House, and I condemn it fully. Once it has been declared that that word is bad, Mr. Nagmani said, "I will say it again. " It is very bad... *(Interruptions)*... That is different.

श्री मोहम्मद आज़म खान: महोदय, पहले इसका खंडन कर दीजिए। हमारी पार्टी के ...(व्यवधान)...

†[شری محمد اعظم خان: مہودے پہلے اسکا کھنڈن کر دیجئے- ہماری پارٹی کے ۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔]

†[ ]Transilteration in Arabic Script

*Expunged as ordered by the Chair.

श्री ईश दत्त यादव: मोहदय, यह कुछ सदस्यों के खिलाफ है।...(व्यवधान)...

श्री सभापति: देखिए, मेरी बात सुनिए। Hon. Members know that I took seriously what has appeared. इसीलिए मैंने इज़ाजत दी। अगर इस पर बात करते करते अनपार्लियामेंटरी वर्ड इस्तेमाल हो और मैम्बर्स कहें तो It is my duty to look into it और मेरे अनपार्लियामेंटरी डिक्लेयर करने के बाद भी अगर मैम्बर कहते हैं that is a defamation of the House by that Member, whosoever he may be. We will see the record. If any Member has used it, that should be expunged. The Leader of the House will have to see whether any Member has used that word after my ruling. That will be seen.

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, I am on a point of clarification.

SHRI ISH DUTT YADAV: Let me speak...*(Interruptions)*

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, my point of order is this. I fully respect your ruling. You are right. If a Member uses the word. "Fascist" against any Member or any group of this House, yes, you are right. But if I say that Hitler was a fascist, is it unparliamentary? The context is to be seen.

MR. CHAIRMAN: That is not unparliamentary.

SHRI VAYALAR RAVI: That is the point. I only request you to clarify this.

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI SIKANDER BAKHT): What are you trying to arrive at?

MR. CHAIRMAN: Let me tell you. As far as Hitler goes, calling Hitler as fascist is not unparliamentary. That is different, But, calling any individual Member or a group which is represented here is fascist, is unparliamentary....(*nterruptions*)ÄÄÄ

Calling any individual Member or a party represented in this August House as fascist is unparliamentary.

श्री राज बब्बर (उत्तर प्रदेश): ऐक्शन को * कहा है, इन्होंने कहा है कि ऐसा करने वाले * है...(व्यवधालन)...ऐसा करने वाले* हैं अगर यह कहा है तो मेरे

*Expunged as ordered by the Chair.

ख्याल से यह अनपार्लियामेंटरी नहीं है क्योंकि किसी व्यक्ति विशेष का नाम नहीं लिया गया, किसी गिरोह का नाम नहीं लिया गया, ग्रुप का नाम नहीं लिया गया. अगर ऐसा गिरोह अपने आपको कहते हैं तो ...(व्यवधान)...जिसको सरकार ने तीन बार बैन किया है, अगर उसकी हिमायत के लिए खड़े होते हैं तो हमें कोई ऐतराज़ नहीं है लेकिन...(व्यवधान)...

श्री सतीश प्रधान: चेयर की रूलिंग देने के बाद भी इस पर चर्चा हो सकती है क्या ? ...(व्यवधान)...

श्री राज बब्बर: आर॰ एस॰ एस॰ इस देश में बैन हुआ है. उसको इस देश ..(व्यवधान)...

श्री सतीश प्रधान: चेयर की रूलिंग देने के बाद भी इस विषय पर क्या चर्चा हो सकती है? ..(व्यवधान)..

श्री राजबब्बर: आर॰एस॰ एस॰ की हिमायत के लिए आप लोग खड़े होते हैं तो यह इस देश के लिए दुर्भाग्य है, दुर्भाग्य है राजनीति का, दुर्भाग्य है राजनीतिज्ञों ...(व्यवधान)...

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: आर॰ एस॰ एस॰ का, नाम लिया गया है, गिरोह शब्द का इस्तेमाल किया गया है...(व्यवधान)...

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, there are some persons who take away papers from the Speaker and tear them off, there are some persons who take away papers from the Minister and tear them off. Are they not*? (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश): मान्यवर सभापति जी, मैं बहुत समय नहीं लूंगा, मैं आपके माध्यम से सदन से और सरकार से निवेदन कर रहा था कि आज के स्टेट्समैन में जो यह समाचार छपा है, साहिब सिंह वर्मा, मुख्य मंत्री, दिल्ली का जो बयान छपा है, यह भ्रामक है, निराधार है, असत्य है..(व्यवधान)..

श्री संघ प्रिय गौतम: अगर यह सही है तो...(व्यवधान)...कैसे कह सकते हैं...(व्यवधान)...

श्री ईश दत्त यादव: मैं इसलिए कह रहा हूं भ्रामक, निराधार और असत्य है क्योंकि मुलायम सिंह यादव जी और लालू प्रसाद यादव जी—दोनों इस देश के बड़े नेता हैं जिनकी देश में बहुत बड़ी छवि, जो इस देश के करोड़ों की आशा के प्रतीक हैं— उन लोगों के खिलाफ ऐसे अनर्गल बयान देने का कारण यही था कि उनकी छवि को खराब किया जाए, मैं कह रहा था कि कुछ दिनोंपहले दोनों नेताओं ने मिलकर एक मोर्चे का गठन किया है और उस मोर्चे से सरकार को, दिल्ली वाली सरकार को, भारत सरकार को खतरा उत्पन्न हो गया है. उन्हें ऐसा आभास हो रहा है कि अब हमारी स्थिति कायम नहीं रह पाएगी इसलिए साजिशन दोनों नेताओं की छवि को गिराने के लिए इस तरह को बयान दिये गये हैं, मान्यवर, इसीलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से—श्री सिकन्दर बख्त साहब जो सदन के नेता हैं—उनसे कहना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी आएं और बयान दें. रोज 356 की चर्चा चल रही है. अगर आपकी पार्टी का मुख्य मंत्री इस तरह से गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर देश के अंदर, दिल्ली के अंदर, राजधानी के अंदर तनाव पैदा करना चाहता है और अपने कुकर्मों पर—जो आपकी नाकामयाबी कंट्रोल करने में हो रही है, लॉऐंड ऑर्डर कायम करने में हो रही है—आप हिंसा खुद फैला रहे हैं, आप असफल हो रहे हैं और दूसरों के ऊपर आरोप लगा रहे हैं. इसलिए मैं आपके माध्यम से चाहता हूं कि सरकार की तरफ से बयान आना चाहिए, प्रधानमंत्री इस सदन के अंदर आएं, प्रधान मंत्री को बुलाया जाए और प्रधान मंत्री स्वयं इस बात की निन्दा करें, इसको इन्कारव करें कि साहिब सिंह वर्मा जी का बयान बिल्कुल असत्य है, निराधार है. और अगर प्रधान मंत्री जी चाहें तो धारा 356 का प्रयोग करें और साहिब सिंह वर्मा को तथा उनकी सरकार को बरखास्त करें. क्योंकि एक प्रदेश के मुख्य मंत्री ने इस तरह से अगर गैर-जिम्मेदारी बयान दिया है तो उसने देश के अंदर अशांति पैदा करने की कोशिश की है, देश के अंदर तनाव पैदा करने की कोशिश की है. इसलिए मान्यवर, मैं मांग करता हूं कि ..(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद सलीम: अगर मुख्य मंत्री को बदलना ही है तो मल्होत्रा जी को मुख्य मंत्री बनाया जाए. ...(*व्यवधान*)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: आपके प्रेम के लिए मल्होत्रा जी बड़े कृतज्ञ है.

सभापति: बस अब हो गया.—

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): महोदय, जिनके बारे में कहा गया है, सारे के सारे, कोई भी यहां सदन के सदस्य नहीं है. न तो लालू प्रसाद जी यहां के मैंबर है, न मुलायम सिंह यादव जी यहां के मैंबर हैं और न ही साहिब सिंह वर्मा जी यहां के मैंबर है तो जब सदन का कोई सदस्य नहीं बोला है फिर उसकी यहां पर उठाने का क्या मतलब है?

SHRI VAYALAR RAVI: Mr. Chairman, Sir; with your permission, I am raising a matter of privilege and rights of Members of parliament to function freely in both the Houses of Parliament. It is true that both Members, are Members of the other House and they are leaders of their political parties and they are also leaders of their parties in parliament. Their Members are functioning in both the Houses. This is more significant. Here a Chief Minister of a state with all authority is running a State. He has made a very serious allegation that the two leaders..(*Interruptions*)...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: It is again being taken for granted that he has made this statement...(*Interruptions*)...if he has made this statement, then, you say, subject to verification...(*Interruptions*)...If he has said it,...(*Interruptions*)...

श्री रामदास अग्रवाल: एकबार एक मुख्य मंत्री ने यह कहा था कि अगर मेरी सरकार को भंग किया गया तो बिहार में खून-खराबा हो जाएगा।...(व्यवधान)...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: He should say, "the reported statement for the Chief Minister". The Chairman has permitted you on "the reported statement of the Chief Minister". Mr. Vayalar Ravi should say, "The reported statement of the Chief Minister".

श्री रामदेव भंडारी: सर, ये बार-बार डिस्टर्ब कर रहे हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नागमणि: सर, ये क्या कह रहे हैं।...(व्यवधान)....

श्री रामदास अग्रवाल: यह धमकी दी है कि यह संविधान के खिलाफ है। ...(व्यवधान)....

श्री राज बब्बर: सभापति महोदय, यह कह दें कि यह असत्य है। पूरा हाउस खड़ा हो कर के इसको कंडम कर दे। ...(व्यवधान)....

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Mr. Chairman, Sir, let somebody authoritatively say that it is not the *bhashan* of the Chief Minister. we are prepared to accept it. Unless the Chief Minister's statement is contradicted either by himself or by his party, there is no reason for us to disbelieve that it is not genuine. Let Mr. Chaturvedi say that it is not the statement of the Chief Minister. I am prepared to accept it. I am prepared to accept that it is not the *bhashan* of the Chief Minister.

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Mr. Chairman, Sir, I agree with what Mr. Pranab Mukherjee says. I have got great regard for him. I did not say I am not contradicting it or supporting it. All I said was you have permitted the so-called or the reported statement of the Chief Minister to be raised. It is not yet known whether he has said it or he has not said it. The only thing is the assumption and the statement thereafter coming that, yeas what he has said is true, and on that a number of conclusions are being drawn that Members are not being permitted to move freely, etc. etc. That is wrong. What Mr. Vayalar Ravi can say is...(*Interruptions*)...I myself brought *The statesman* newspaper with me because I also wanted to verify it...(*Interruptions*)...I myself brought it because I myself do not like such things...(*Interruptions*)... That is why I myself brought it to know what really has happened and check up. But then I suddenly found...(*Interruptions*)...

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, charges have been made...(*Interruptions*)...

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: I am myself not in favour of such statement being made...(*Interruptions*)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: You go through the newspaper.

श्री रामदास अग्रवाल: जो व्यक्ति यहां मौजूद नहीं है उसके बारे में....(व्यवधान)

श्री नरेश यादव: आप प्रधान मंत्री जी से खंडन करवा दीजिए।...(व्यवधान)...माननीय प्रधान मंत्री जी से खंडन करवा दीजिए।...(व्यवधान)...

श्री रामदास अग्रवाल: इस सदन में यह परम्परा रही है कि केवल अखबार के आधार पर हम किसी बात को सत्य नहीं मानेंगे। ...(व्यवधान)...

SHRIMATI KAMLA SINHA: The BJP Ministers and their members are in the habit of making statements and when there is a protest, they withdraw them.

SHRI KAPIL SIBAL: Mr. Chairman, Sir if you permit me, I will make a small submission. The hon. Member has just said that it must be first ascertained whether the statement has been made by the Chief Minister or not. Well, it can only be ascertained if the Chief Minister himself says that he has never made such a statement. Till such time, as that repudiation comes, it will be taken to be his statement. That is number one.

But assume for a moment, for the sake of argument, that my learned friend is right and that it is not his statement. They either the newspaper man is telling a * or the Chief Minister is telling a *. Now, who has to determine that? Either way a most serious issue has cropped up in this House because it affects the functioning of democracy in this country. If a person of the position of Chief Minister of a State makes an irresponsible statement in respect of Members who are heads of political parties and national leaders of this country, then it is a sad day for democracy. It is very unfortunate for my learned friend to say that his statement does not represent the fact...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: There is no point of order. Mr. Sibal has made only a speech. ...(*Interruptions*)... There is not point of order...(*Interruptions*)... There is no point of order.

SHRI VAYALAR RAVI: According to the Press report, serious allegations have been made against the two leaders. Sir, I want to quote from the report. (*Interruptions*). The report says that criminals let loose by the Rashtriya Janata Dal president, Mr. Laloo Prasad Yadav, and Samajwadi party president, Mr. Mulayam Singh Yadav were behind the spiralling crime rate in the Capital...(*Interruptions*). I am not yielding. ...(*Interruptions*).

* Expunged as ordered by the Chair.

SHRI MD. SALIM: Sir, I have a point of order. (*Interruptions*).

* कह दिया तो यह गुस्सा हो गए। ...(व्यवधान)...

†[شری محمد سلیم: کہہ دیا تو یہ غصہ ہو گئے۔۔۔"مداخلت"۔۔۔]

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मैं गुस्सा नहीं हो रहा हूं।...(व्यवधान)...

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Sir, he has said that either the Chief Minister * or the paper *. The word * is unparliamentary. It should be removed from the record.

MR. CHAIRMAN: Yes. It is unparliamentary. It will be deleted.

SHRI VAYALAR RAVI: Allegations have been made against the two leaders saying that they are responsible for letting loose the law and order problem in the State. This statement is coming from a person not less than the Chief Minister of a State who is responsible for running the State. This is significant. Not only that. (*Interruptions*). Later, he says, this information was not given by the Delhi Police. Then what does it amount to? It can amount to two things. This allegation is an abetment. As everyone knows, this can lead to a case of abetment and conspiracy for which the Government can even arrest both of them. That is why we have said that you are adopting the tactics of Hitler, making allegations against the Jews. He made allegations against them, arrested them and killed them. That is the attitude. (*Interruptions*).

Sir, my demand is for portection of leaders of all political parties in Delhi. It must be given. (*Interruptions*. Allegations have been made...(*Interruptions*). Every Member of Parliament has a right to mention here..... (*Interruptions*). You are trying to intimidate, you are trying to threaten....(*Interruptions*).... You are trying to threaten the two leaders. (*Interruptions*).

†[ ]Transilteration in Arabic Script

SHRI H. HANUMANTHAPPA: The Chairman has permitted him to speak. (*Interruptions*). Sir, they should keep quiet. Allow him to speak, please. This is not the way. With permission, he is speaking. You kindly listen to him. Let it be recorded.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, actually, the Chief Minister says-it is in today's Statesman---"I asked the official not to raise this angle till there was some concrete evidence...."

श्री रामगोपाल यादव: आगे पढ़िए।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: "...like the police arrests someone" who is in a position to confess what is said is true.

श्री रामगोपाल यादव: यही प्वाइन्ट है:

This is a direction to the police officer. कौशिक जी ने यही आशंका व्यक्त की थी कि मुख्य मंत्री ने कहा कि अभी मत कहिए, कोई आदमी गिरफ्तार हो तब कन्फैस करें।...(व्यवधान)...इसलिए मैं चाहता हूं.....(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: Let Mr. Ravi finish. (*Interruptions*). Listen to him, please.

SHRI VAYALAR RAVI: The Chief Minister is telling the Delhi Police officials, "You wait, arrest, let somebody make a confession and then go ahead." (*Interruptions*)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: That means we are only abetting it. It means that we are instigating them. That is what it amounts to. (*Interruptions*) If that is the interpretation... (*Interruptions*)

SHRI VAYALAR RAVI: Sir, I demand that the hon. Home Minister must come to this House and throw some light on this issue. He should make a statement as to what the truth behind the statement of the Chief Minister of Delhi is. Only then things would become all right. (*Interruptions*)

I damand that the Home Minister should come and make a statement. (*Interruptions*)

SHRI MD. SALIM: Sir, we support this demand. Let the Home Minister come to this House and make a statement. (*Interruptions*)

श्री रामदास अग्रवाल: सभापति महोदय, मुझे याद आता है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बहुत बोल चुके हैं, उनको सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... देखिए नाम का सवाल नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री नरेश यादव: ये एसोसियेट कर रहे हैं।...(व्यवधान)...

श्री रामदास अग्रवाल: सभापति महोदय, मैं निवेदन यह करना चाहता हूं...

श्री सभापति: आप प्वाइंट आफ आर्डर रेंज कर रहे हैं?

श्री रामदास अग्रवाल: मेरा प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है। लेकिन जो बातचीत यहां पर की गई है, बगैर प्वाइंट आफ आर्डर के रेंज की गई है। श्री कपिल सिब्बल जैसे व्यक्ति ने कानून के जानकार होते हुए भी ऐसे प्वाइंट आफ आर्डर रेज कर रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। मैं बिना प्वाइंट आफ आर्डर रेंज किए अपने विचार आपके सामने प्रस्तुत करना चाहता हूं।....(व्यवधान)..बहुत से लोगों ने बिना प्वाइंट आफ आर्डर के बात की है..(व्यवधान)... मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान)...कुछ लोगों ने बिना प्वाइंट आफ आर्डर के बात की है...(व्यवधान)...प्वाइंट आफ आर्डर की बात कपिल सिब्बल जैसे व्यक्ति करते रहते हैं जिनको पता नहीं प्वाइंट आफ आर्डर क्या होता है। चार दिन सभा में आए और प्वाइंट आफ आर्डर उठा रहे हैं। ...(व्यवधान)..

श्री ईश दत्त यादव: क्या आप समर्थन में कर रहे हैं। ..(व्यवधान)....

श्री रामदास अग्रवाल: हां मैं समर्थन ....(व्यवधान)....

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, I am on a point of order.

MR. CHAIRMAN: What is your point of order?

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Sir, you have allowed them to speak. You allow me also to speak. Sir, even if it is taken to be a statement, it should be read as a whole. it cannot be read in parts. This is my point of order. *(Interruptions)* A statement should be read as a whole, not a part of it. This is number one. Secondly, a person who cannot defend himself in this House, no question can be raised against him.

MR. CHAIRMAN: I have already given a ruling. So, you should not raise this issue.

श्री रामदास अग्रवालः सर, एक मिनट। मैं बहुत कम बोलता हूं।

श्री सभापतिः लेकिन आप प्वाइंट आफ आर्डर क्या रेज कर रहे हैं?

श्री रामदास अग्रवालः मैं एसोसिएट कर रहा हूं।

श्री रामदेव भंडारीः राष्ट्रीय जनता दल और समाजवादी पार्टी को मौका दिया जाए।

श्री सभापतिः एक मिनट में बोलिएगा।

श्री ओंकार सिंह लखावतः सभापति महोदय, स्पेशल मेंशन कितने मिनट का होगा। यह तीन मिनट से अधिक का नहीं हो सकता है। मैं आपसे व्यवस्था चाहता हूं कि स्पेशल मेंशन कितने मिनट का होगा। यह मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री नरेश यादवः सभापति महोदय, मैं सिर्फ यह मांग करना चाहता हूं कि दूसरे महामान्य सदन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस प्रकरण पर अपना एक बयान दिया है। हम यह मांग करते हैं कि एक जिम्मेदार व्यक्ति के द्वारा गैर-जिम्मेदाराना बयान दिया गया है और कुछ सम्मानित व्यक्तियों को बदनाम करने की साजिश की गई है और ये राष्ट्रीय नेता लालू प्रसाद और मुलायम सिंह यादव हैं। इनके द्वारा जो राष्ट्रीय मोर्चा बना रहे हैं इससे ये दक्षिण पंथी घबराकर इस तरह के अनर्गल और तुच्छ आरोप लगाकर बदनाम करने की साजिश कर रह हैं। मेरा आग्रह है माननीय प्रधानमंत्री आकर सदन में बयान दें जैसा कि उन्होंने दूसरे सदन में दिया है।

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Sir, I associate myself with the views expressed by the hon. Member.

श्री रामदेव भंडारी (बिहार): सभापति महोदय, यह बड़े शर्म की बात है कि एक प्रदेश का मुख्य मंत्री दो राष्ट्रीय नेताओं के बारे में इस प्रकार का अपमानजनक बयान दे। यह किसी भी प्रदेश के मुख्य मंत्री के लिए शर्म की बात है। साहब सिंह वर्मा जी का जो बयान स्टेट्समैन में आया है, उसकी मैं घोर निंदा एवं भर्त्सना करता हूं। मैं इस सदन से भी अनुरोध करता हूं कि साहब सिंह वर्मा जी ने जो बयान दिया है, आगे भी किसी प्रदेश का कोई मुख्य मंत्री अगर इस तरह का बयान राष्ट्रीय नेताओं के खिलाफ दे तो सदन उसकी भर्त्सना करे। आज के माहौल में मैं सदन से अनुरोध करता हूं कि साहब सिंह वर्मा ने अगर इस तरह का बयान दिया है, मैं अगर शब्द का प्रयोग कर रहा हूं, जो अखबार में छपा है, उसकी घोर निंदा करनी चाहिये, पूरे सदन को इसकी निंदा करनी चाहिये। सभापति महोदय, निश्चित रूप से यह एक साजिश है। इसमें कोई संदेह की बात नहीं है कि जब से लोकतांत्रिक मोर्चा बना है मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद यादव इकट्ठे हो कर देश के करोड़ो-करोड़ पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और दलितों की रहनुमाई कर रहे है तब से इस देश की प्रतिक्रियावादी ताकतें घबरा गई हैं और वह लालू प्रसाद यादव तथा मुलायम सिंह यादव के खिलाफ साजिश कर रही हैं। ईश दत्त यादव जी की बात से मैं सहमत हूं कि आगे हो सकता है कि किसी को खड़ा कर के किसी से इस तरह का बयान दिलाया जाए कि लालू यादव और मुलायम सिंह यादव ने हम को इस बात के लिए प्रेरित किया था। मैं आपसे पुनः आग्रह करना चाहता हूं कि आप भी सदन के साथ, हमारी भावनाओं के साथ हों कि राष्ट्रीय नेताओं के खिलाफ कोई भी इस तरह की बात कहने की हिम्मत नहीं कर सके और इस तरह का बयान न दे सके। सदन की ओर से इस बयान की भर्त्सना की जाए। बहुत बहुत धन्यवाद।

(interruptions)

MR. CHAIRMAN: Let me say something. I would like to know—much has been said—whether the Leader of the House would like to say something on this.

सदन के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहब आपने हुक्म दिया है तो मैं हाज़िर हूं। मुझे आनरेबल मैम्बर का नाम ख्याल नहीं है। आनरेबल मैम्बर लीडर आफ दी अपोज़ीशन के पीछे बैठते थे, उन्होंने वाक-आऊट किया था हाऊस से, चेयरमैन साहब के कुछ कहने के बाद वाक आउट किया था। (व्यवधान) कृष्णा साहब नाम था या जो भी नाम था तो मुझे बहुत तकलीफ हुई थी और मैंने जा कर हनुमनतप्पा साहब से कहा था कि चेयरमैन साहब की कही हुई बात के खिलाफ वाक आऊट नहीं होता है। ..(व्यवधान)

श्री सभापति: उनको हक है अपनी बात कहने का (व्यवधान) उनको अपनी बात कहने का हक है। (व्यवधान)

श्री सिकन्दर बख्त: मैने यह इसलिए कहा था कि राज्य सभा के कुछ तरीके हैं, कुछ आबोहवा है। मैंने इस हाऊस में यह भी अर्ज़ किया था कि जब मेरा दम घुटने लगता है उधम से तो मैं राज्य सभा में आ कर अपना मिज़ाज़ दुरुस्त करने की कोशिश करता हूं। साहब सिंह का बयान क्या है, उस पर किस को एतराज़ है, हर एक को कुछ कहने का हक है लेकिन मैं रंजीदा इसलिए हूं कि जिस किस्म का शोरगुल हुआ सिर्फ शोरगुल की बात कर रहा हूं, बात किस की गलत है, किस की सही है, मैं नहीं कहना चाहता हूं। मुझे डर लगने लगा है इस राज्य सभा की आबोहवा में इस किस्म का उधम, इस किस्म का गुल नहीं होता था। मैं अपने सभी साथियों से जो इधर तशरीफ रखते हैं, उनसे भी दरख्वास्त करना चाहता हूं और सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि खुदा के वास्ते राज्य सभा को राज्य सभा ही रहने दें। आपने जो भी बात कहनी है..(व्यवधान)

श्री मोहम्मद आज़म खान: सारी दरख्वास्त हमारे हिस्से में है? ..(व्यवधान)

श्री सिकन्दर बख्त: मैं इनसे भी कह रहा हूं, आपसे भी कह रहा हूं कि राज्य सभा की इस आबोहवा को मेहरबानी कर के खराब नहीं कीजिये। जो कुछ भी आपको कहना है, मेहरबानी से..(व्यवधान)

श्री मोहम्मद आज़म खान: उधर वालो से कहिये..(व्यवधान)

†[نیتا سدن شری سکندر بخت: صدر صاحب، آپ نے حکم دیا ہے تو میں حاضر ہوں۔ مجھے آنریبل ممبر کا نام خیال نہیں ہے، آنریبل ممبر لیڈر آف دی اپوزیشن کے پیچھے بیٹھتے تھے انہوں نے واک آؤٹ کیا تھا ہاؤس سے، چیئرمین صاحب کے کچھ کہنے کے بعد واک آؤٹ کیا تھا ... "مداخلت" کرشنا صاحب نام تھا یا جو بھی نام تھا تو مجھے بہت ہی تکلیف ہوئی تھی اور میں نے جاکر ہنومن تھپا صاحب سے کہا تھا کہ چیئرمین صاحب کی کہی ہوئی بات کے خلاف واک آؤٹ نہیں ہوتا ہے ... "مداخلت"...]

†[شری سبھاپتی: ان کا حق ہے اپنی بات کہنے کا ... "مداخلت"...]

شری سکندر بخت: میں نے یہ اس لئے کہا تھا کہ راجیہ سبھا کے کچھ طریقے ہیں، کچھ آب وہوا بھی ہے، میں نے اس ہاؤس میں یہ بھی عرض کیا تھا کہ جب میرا دم گھٹنے لگتا ہے اودھم سے تو میں راجیہ سبھا میں آکر اپنا مزاج درست کرنے کی کوشش کرتا ہوں۔ صاحب سنگھ صاحب کا بیان کیا ہے، اس پر کس کو اعتراض ہے، ہر ایک کو کچھ کہنے کا حق ہے۔ لیکن میں رنجیدہ اس لئے ہوں کہ جس قسم کا شوروغل ہوا، صرف شوروغل کی بات کر رہا ہوں، بات کس کی غلط ہے

†[ ]Transilteration in Arabic Script

کس کی صحیح ہے، میں نہیں کہنا چاہتا ہوں مجھے ڈر لگنے لگا ہے اس راجیہ سبھا کی آب و ہوا میں، اس قسم کا اودھم، اس قسم کا غل نہیں ہوتا تھا، میں اپنے سبھی ساتھیوں سے جو ادھر تشریف رکھتے ہیں، ان سے بھی درخواست کرنا چاہتا ہوں کہ خدا کے واسطے راجیہ سبھا ہی رہنے دیں۔ آپ نے جو بھی بات کہی ہے۔۔۔ "مداخلت"۔۔

†شری محمد اعظم خان : ساری درخواست ہمارے حصے میں ہے؟۔۔ "مداخلت"

شری سکندر بخت : میں ان سے بھی کہہ رہا ہوں، آپ سے بھی کہہ رہا ہوں کہ راجیہ سبھا کی اس آب و ہوا کو مہربانی کر کے خراب نہیں کیجئے۔ جو کچھ بھی آپ کو کہنا ہے، مہربانی سے۔۔ ۔۔ "مداخلت"۔۔

شری محمد اعظم خان : ادھر والوں سے کہئے۔۔۔ "مداخلت"۔۔]

श्री सिकन्दर बख्त: तशरीफ रखिए। मेरी बात में दखल न दें तो मेहरबानी होगी आपकी। आपको दखल देने का बहुत शौक रहता है। मैं बहुत हाथ जोड़कर आपको कहता हूं कि मुझे कहने दीजिए। आप बहुत बोल लेते हैं।

मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं सदन साहब कि साहिब सिंह के खिलाफ शिकायतें होनी चाहिए। साहिब सिंह ने क्या कहा है मैं जानता नहीं। मैंने स्टेटमैंट भी नहीं पढ़ा है। वे दोनों साहिबान जिनके बारे में जिक्र किया जा रहा है वे इस देश की एक पोलिटिकल पार्टी के नेता है इसमें भी कोई शक नहीं है। लेकिन मेरा सिर्फ यह कहना है कि इस राज्य सभा की सहूलियतों को, इस राज्य सभा के माहोल को इस राज्य सभा की तहजीब को खुदा के वास्ते बचाइए। मैं आपसे भी कहता हूं और उनसे भी कहता हूं। उनसे तो कह दिया है। मगर मैं आपसे भी कह रहा हूं। आप तो इस वक्त भी चमक रहे हैं। मैं हाथ जोड़कर बात कर रहा हूं मगर आप चुप नहीं बैठ सकते। आपके अंदर बर्दाश्त नहीं है। आप इस हाउस के मिजाज को समझ सकते ही नहीं हैं। मेरा सिर्फ यही कहना है।

†شری سکندر بخت : تشریف رکھئے، میری بات میں دخل نہ دیں تو مہربانی ہوگی آپ کی۔ آپ کو دخل دینے کا بہت شوق رہتا ہے۔ میں بہت ہاتھ جوڑ کر آپ کو کہتا ہوں کہ مجھے کہنے دیجئے۔ آپ بہت بول لیتے ہیں۔

میں صرف اتنا کہنا چاہتا ہوں صدر صاحب کہ صاحب سنگھ کے خلاف شکایتیں ہونی چاہئیں۔ صاحب سنگھ نے کیا کہا ہے میں جانتا نہیں۔ میں نے اسٹیٹمنٹ بھی نہیں پڑھا ہے۔ وہ دونوں صاحبان جن کے بارے میں ذکر کیا جا رہا ہے وہ اس دیش کی ایک پالیٹیکل پارٹی کے نیتا ہیں اس میں بھی کوئی شک نہیں ہے۔ لیکن میرا صرف یہ کہنا ہے کہ اس راجیہ کی سہولتوں کو، اس راجیہ سبھا کے ماحول کو، اس راجیہ سبھا کی تہذیب کو خدا کے

†Transilteration in Arabic Script

واسطے بچائیے - میں آپ سے بھی کہتا ہوں اور ان سے بھی کہتا ہوں - ان سے تو کہہ دیا ہے - مگر میں آپ سے بھی کہہ رہا ہوں - آپ تو اس وقت بھی چیک رہے ہیں - میں ہاتھ جوڑ کر بات کر رہا ہوں مگر آپ چپ نہیں بیٹھ سکتے - آپ کے اندر برداشت نہیں ہے - آپ اس ہاؤس کے مزاج کو سمجھ سکتے ہی نہیں ہیں - میرا صرف یہی کہنا ہے]

श्री मोहम्मद आज़म खान: यह क्या तरीका है ...(व्यवधान)

†[شری محمد اعظم خان: یہ کیا طریقہ ہے ... "مداخلت" ...]

श्री नरेश यादव: पहले प्रधान मंत्री को बुलाया जाए ..(व्यवधान)

श्री सभापति: आप मेरी बात सुनिए ...(व्यवधान) आप मेरी बात तो सुनिए ...(व्यवधान) बैठिए पहले ..(व्यवधान)

श्री मोहम्मद आज़म खान: यह कोई क्लास नहीं है ..(व्यवधान) हम उपदेश सुनने नहीं आए है। ..(व्यवधान) हम इसके बारे में जानने आए हैं ...(व्यवधान) उपदेश सुनने नहीं आए हैं ..(व्यवधान)

†[شری محمد اعظم خان: یہ کوئی کلاس نہیں ہے ... "مداخلت" ... وہی بات ہے ... "مداخلت" ... دیکھئے بات یہ ہے کہ یہ جو اسٹیٹمنٹ کا ریفرینس یہاں دیا گیا ہے میں چاہوں گا کہ سرکار اس بات کو دیکھے اور دیکھنے کے بعد جو ان کی رائے ہے وہ بتا دے ... "مداخلت" ...]

श्री सभापति: आप मुझे कहने नहीं देते है ...(व्यवधान) वही बात है ...(व्यवधान) देखिए, बात यह है कि यह जो स्टेटमैंट का रेफरेंस यहां दिया गया है मैं चाहूंगा कि सरकार इस बात को देखे और देखने के बाद जो इनकी राय है वह बता दे।

(व्यवधान)

श्री नरेश यादव: इस सदन के सम्मान में प्रधान मंत्री को बयान देना चाहिए।

कई माननीय सदस्य: कल तक जवाब दें ..(व्यवधान)

श्री नरेश यादव: सदन के उठने के पहले जवाब दिया जाए श्रीमन ..(व्यवधान)

श्री नागमणि: इसका जवाब सरकार दे ..(व्यवधान)

श्री सभापति: मैंने अपना कह दिया है, सरकार को जो कहना था। उसके बाद वे बताएंगे। लीडर आफ द हाउस बात करके बताएंगे। इमीडिएटली कोई नहीं बता सकता है।

(व्यवधान)

SHRI JANARDHANA POOJARY: Sir, he is the Chief Minister of Delhi. Where is the difficulty for them to make a statement. They can make a statement in the evening. It is a very serious matter. Sir, kindly direct the Government to make a statement.

श्री रामदेव भंडारी: आज दे सकते हैं बयान। कोई बहुत कठिन बात नहीं है..(व्यवधान)

डा० (श्रीमती) उर्मिला चिमनभाई पटेल: आज नहीं तो कल दे सकते है। कल तक दे दीजिए। कल तक तो कह सकते हैं...(व्यवधान)

†[ ]Transilteration in Arabic Script

श्री रामदेव भंडारी: यह कोई कठिन मामला नहीं है..(व्यवधान)

श्री नरेश यादव: प्रधान मंत्री को सदन में आना चाहिए..(व्यवधान)

श्री सभापति: श्री दारा सिंह चौहान क्लैरीफिकेशन के लिए।

RE: MISREPORTING OF SPECIAL MENTION BY DOORDARSHAN

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, हमने कल स्पेशल मेंशन में आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में यह लाया था कि इस देश में रहने वाले राजभर और भर जिनकी संख्या कई करोड़ है, आजादी के 50 साल बाद भी इनकी सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हमने आपके माध्यम से सरकार से मांग की थी कि जिस तरीके से शिड्यूल्ड कास्ट से भी इनकी बदतर स्थिति है, इस मुल्क में इस नाते से राजभर और भर बिरादरी को, जाति को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया जाए। लेकिन कल जब टी०वी० का प्रसारण हो रहा था तो इस बात को तोड़-मरोड़कर, संसद के समाचार को तोड़-मरोड़कर इसका उल्टा कहा गया कि हमने मांग की थी हाउस में कि राजभर और भर जाति को अनुसूचित जाति में शामिल न किया जाए। इस नाते से सभापति महोदय मैं आपसे कहना चाहता हूं कि संसद पर इस देश में रहने वाली जनता का इतना विश्वास है—जिसका सीधा प्रसारण किया जाता है अगर इस संसद की कार्यवाही को इस तरीके से, गलत तरीके से प्रसारित किया जाएगा तो संसद पर से ही देश की जनता का विश्वास उठने लगेगा। इस नाते से मैं आपसे मांग करना चाहता हूं कि जो मैंने कल कहा था कि राजभर और भर बिरादरी को सरकार अनुसूचित जाति में शामिल करे, इस बात को हूबहू इनको पुनः प्रसारित करना चाहिए। और अगर जान-बूझ करके ऐसी गलती हुई है तो निश्चित रूप से खेद प्रकट करना चाहिए अपने प्रसारण में जिससे लोगों का विश्वास इस हाउस में रहे। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

SPECIAL MENTIONS (CONTD.)

Need for Government's negotiation with College and University Teachers on their 35-Point Demand

श्रीमती चन्द्रकला पांडेय (पश्चिमी बंगाल): माननीय सभापति महोदय, सब से पहले मैं आपके माध्यम से सिकन्दर बख्त जी का ध्यान अपनी ओर चाहूंगी। उन्होंने इस हाउस की आबोहवा के बारे में कहा, कल हम लोगों ने पर्यावरण पर चर्चा की और यह भी देखा कि देश का इकोलोजीकल बैलेंस इतना बिगड़ गया है कि आबोहवा यहां भी कभी-कभी ऐसी शोरगुल वाली हो जाती है। इस सदन की आबोहवा के अनुकूल मैं बड़े ही शांतिप्रिय ढंग से एक मुद्दा उठाने जा रही हूं। सभापति महोदय, यह मुद्दा मैंने कल मांगा था, आज मुझे मिला, इसके लिए भी मैं आपको धन्यवाद देती हूं। विगत कल 21.7.98 को देश के विविध भागों से बड़ी संख्या में कालेज और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने राजधानी में पैदल मार्च के रूप में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। मैं आपके माध्यम से उनकी मांगों की ओर माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगी।

सभापति महोदय, किसी भी देश में शिक्षा के उन्नय का प्रश्न चार इकाइयों पर आधारित है। ये है शिक्षक शिक्षणसंस्थान, शिक्षार्थी एवं उपयुक्त पाठ्यक्रम। शिक्षकों की भूमिका इनमें सब से अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि वही अन्य तीनों इकाइयों के बीच संयोजक सूत्र का काम करता है। दुनिया के जिन देशों ने शिक्षा जगत में उच्चतम मानदंड स्थापित किया है उन्हीं शिक्षकों को पर्याप्त सम्मान मिला है और उन्हें छोटी-छोटी मांगों को लेकर सड़कों पर नहीं उतरना पड़ा है। कल हमारे शिक्षकों ने अपनी जो 35 सूत्रीय मांगें ज्ञापन के रूप में मंत्री महोदय के पास भेजी हैं, मैं सदन का अधिक समय लेकर प्रत्येक मांग की चर्चा नहीं करना चाहती, पर उनकी मांगों में जो विशेष उल्लेख जैसे यू०जी०सी० द्वारा रस्तोगी कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर प्रस्तावित वेतनमानों को मानना, रीडर से प्रोफैसर पद में पदोन्नति, राज्य सरकारों को पर्याप्त धनराशि मुहैया कराना, सभी श्रेणी के शिक्षकों तथा अन्य अकैडमिक एडमिनिस्ट्रेटरों, लायब्रेरियन, रजिस्ट्रार, कंप्ट्रोलर आदि के लिए भी संशोधित वेतनमान से लाभान्वित करने का प्रावधान, पार्ट टाइम शिक्षकों को भी न्यायोजित अधिकार और समस्त रिक्त पदों पर यथाशीघ्र नियुक्ति आदि शामिल है।